परमप्रधान के छाया में

गीत रचयित : फादर एस. जे. बर्कमैन्स
Lyricist: Father.S.J. Berchmans

परमप्रधान के छाए स्थान बैठा हूँ मैं, सर्वशक्तिमान के छाया में रहता हूँ मैं – (2) मुक्ति का सींग दृढ गढ़ है,
भरोसे मंद प्रभु मेरे – (2)

1. महामारी से मुझको तु बचाएगा,
बहेलिये के जाल से छुड़ाएगा – (2)
चट्टान तु है मेरी,
मेरी ढाल भी तु ही है – (2)
2. सृजनहार तु मेरा सहारा है,
हे पवित्र तु ही मेरा रक्षक है – (2) विपत्ति ना पड़ेगी,
कोई रोग न छुएगा – (2)
3. मार्गो में दुतों की रक्षा हैं,
पाव को पत्थर से सुरक्षा हैं – (2)
नाग को कुचलेगा,
सिंहो को लताड़ेगा – (2)

PARAMPRADHAAN KE CHAYE

PARAMPRADHAN KE CHAAYE STHAN BAITHA HU ME, SARVASAKTIMAAN KE CHAAYA ME REHTA HU ME – (2) MUKTI KA SEENG DHRUD GAD HAI,
BHAROSE MAND PRABHU MERE – (2)

1. МАНAMARI SE MUJHKO TU BACHAYEGA,

BAHELIYE KE JAAL SE CHUDAYEGA – **(2)**
CHATTAN TU HAI MERI,
MERI DHAL BHI TU HI HAI – **(2)**

2. SRUJANHAR TU MERA SAHARA HAI,
HE PAVITRA TU HI MERA RAKSHAK HAI – **(2)**
VIPATTI NA PADEGI,
KOI ROG NA CHUYEGA – **(2)**
3. MARG MEIN DUTON KI RAKSHA HAI,
PAAV KO PATHAR SE SURAKSHA HAI – **(2)**
NAAG KO KUCHLEGA,
SINHO KO LATADEGA – **(2)**

Download Lyrics